



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 141]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 7, 1995/श्रावण 16, 1917

No. 141]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 7, 1995/SRAVANA 16, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1995

विषय :— चीन जनवादी गणराज्य मूल के 3, 4, 5 ट्राइमेथोक्सी बेंजालिडहाइड (टीएमबीए) के आयात की पाटनरोधी जांच-अन्तिम निष्कर्ष

सं. 9/10/94—टीपीडी :—सन् 1982 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और तत्संबंधी सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क की पहचान, निर्धारण तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1985 को ध्यान में रखते हुए,

अस्थायी उपाय

2. उक्त नियमावली के अन्तर्गत परिभाषित नामित प्राधिकारी (जिसे इसके भाव प्राधिकारी कहा जाएगा) ने अपनी दिनांक 31 जनवरी, 1995 की अधिसूचना सं.

1951 GI/95

9-10-94—टीएमबीए द्वारा चीन मूल के 3, 4, 5 ट्राइमेथोक्सी बेंजालिडहाइड (जिसे इसके बाद टीएमबीए कहा जाएगा) के आयात की पाटनरोधी जांच में प्राप्त प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था।

क्रिया विधि

3. प्राधिकारी ने उन सभी कंपनियों को पत्र भेजा था जिनका नाम जांच में शामिल था। उनसे अनुरोध किया गया था कि वे प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत करें और मौखिक रूप से सुनवाई तथा दिए गए आंकड़ों की स्थान विशेष पर पड़ताल हेतु इच्छा व्यक्त करते हुए आवेदन करें। संबंधित निर्यातक देश के नई दिल्ली स्थित बूतावास को एक मौखिक टिप्पणी भी भेजी गई थी जिसके साथ प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति प्रेषित की गई थी। उसमें यह अनुरोध किया गया था कि निर्यातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों से कहा जाए कि वे प्रारंभिक निष्कर्षों पर प्राधिकारी को अपने विचार भिजवाएं तथा आंकड़ों की पड़ताल हेतु अपनी-अपनी इच्छा व्यक्त करें।

4. नामित प्राधिकारी को प्रारंभिक निष्कर्षों पर प्रति-वादियों तथा याचिकाकर्ताओं के विचार प्राप्त हो गए हैं।

प्रारंभिक निष्कर्षों पर भारत के आयातकों के अलावा चीन जनवादी गणराज्य के किसी भी निर्यातक ने विचार प्रस्तुत नहीं किए हैं।

5. निर्यातकों, आयातकों तथा याचिकाकर्ताओं को दिनांक 23 मई, 1995 को की गई सार्वजनिक सुनवाई में भी प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दिया गया था। चीन जनवादी गणराज्य के दिल्ली स्थित दूतावास को एक मौखिक टिप्पणी भी भेजी गई थी जिसमें उनसे यह अनुरोध किया गया था कि वे उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने के लिए संबंधित निर्यातकों को सूचित कर दें। किन्तु, दिनांक 23 मई, 1995 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में याचिकाकर्ता, घरेलू उद्योग और निम्नलिखित आयातकों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए :

1. मैसर्स शभा कैमिकल्स लि., रतलाम
2. जोरा फार्मा लि., अहमदाबाद
3. बाम्ब्रे ड्रग्स एण्ड फार्माजि लि., बम्बई
4. दि फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट्स आफ इण्डिया लि.
5. कास्मिक ड्रग्स एण्ड कैमिकल्स प्रा.लि., बड़ौदा
6. जर्मन रेमिडीज, बंबई
7. बरॉज वैलकम (इण्डिया) लि., बंबई
8. अपूर्वा आर्गेनिकल्स लि., कलकत्ता

6. याचिकाकर्ता तथा आयातकों द्वारा सार्वजनिक सुनवाई में किए गए मौखिक अनुरोध लिखित में लिये गये और वे अन्य पार्टियों को उपलब्ध कराए गए थे। इन अनुरोधों पर आयातकों तथा याचिकाकर्ता की ओर से टिप्पणियां प्राप्त हुई थीं।

प्रतिवादियों के विचार

7. आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रारंभिक निष्कर्षों तथा दिनांक 23 मई, 1995 को हुई सार्वजनिक सुनवाई के फलस्वरूप उत्तर में पहले प्रस्तुत मुद्दों, जिन पर दिनांक 31-1-1995 को अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों पर विचार किया गया था, के अलावा मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दे उठाए—

(क) याचिकाकर्ताओं ने इस उत्पाद का आयात किया था इसलिए वह घरेलू उद्योग का दर्जा पाने योग्य नहीं है;

(ख) इस तथ्य से कि चीन टीएमबीए का निर्यात भारत सहित कई देशों को एक समान कीमत पर कर रहा है, यह पता चलता है कि डम्पिंग नहीं हुई है;

(ग) सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए जापान से निर्यातित टीएमबीए की वर्तमान निर्यात कीमत अथवा अन्तर्राष्ट्रीय कीमत को हिसाब में लिया जाए;

(घ) सामान्य मूल्य का हिसाब लगाने के प्रयोजन के लिए भारत को प्रतिनिधि देश मानने की आवश्यकता नहीं है;

(ङ) इस उत्पाद के सामान्य मूल्य के निर्धारण का विस्तृत आधार प्रारंभिक निष्कर्षों में नहीं बताया गया है;

(च) टीएमबीए के आयात में हुई वृद्धि उसके परिणामी उत्पाद ट्राइमैथोप्रिम (टीएमपी) के निर्यात में हुई वृद्धि के संदर्भ में देखी जाए;

(छ) अग्रिम लाइसेंस के आधार पर टीएमपी के निर्यात उत्पादन के लिए टीएमबीए के होने वाले आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाना भारत से टीएमपी के निर्यात के लिए हानिकारक रहेगा;

(ज) चूंकि चीन टीएमबीए तथा उसके परिणामी उत्पाद टीएमपी का एक विनिर्माता एवं निर्यातक देश है, इसलिए, पाटनरोधी शुल्क लगाना निर्यातकों के लिए इस अर्थ में लाभकारी रहेगा कि चीन के टीएमपी उत्पादक लोग अपने ही वहां के बाजार से टीएमबीए अपेक्षितया अधिक मुक्त रूप से प्राप्त कर सकेंगे और उनका यह परिणाम होगा कि वे टीएमपी का तीसरे देशों को निर्यात भारतीय टीएमपी उत्पादकों से किसी प्रतिस्पर्धा के बिना ही कर सकेंगे क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लगाने से अतिरिक्त लागत के कारण भारतीय उत्पादक विदेशी बाजार गवां रहें हैं।

(झ) याचिकाकर्ता कार्यकुशल नहीं है और उसे हानि मुख्यतया अधिक वित्त लागत की वजह से हो रही है और टीएमबीए के उत्पादन अथवा बिक्री को याचिकाकर्ता की लाभकारिता के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि याचिकाकर्ता एक बहु-उत्पाद कंपनी है।

(ञ) चूंकि टीएमपी के विनिर्माण के लिए टीएमबीए ही प्रमुख कच्चा माल होता है और इसके विनिर्माण में कच्चे माल की लागत में टीएमबीए का अंश 65-75% होता है, इसलिए, पाटनरोधी शुल्क लगाने से टीएमपी की लागत पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।

याचिकाकर्ता के विचार

8. याचिकाकर्ता ने प्रारंभिक निष्कर्षों में पहले ही प्रस्तुत मुद्दों के अलावा, निम्नलिखित अनुरोध किए—

(क) उन्होंने स्पष्ट रूप से यह इनकार किया कि उन्होंने टीएमबीए का आयात किया अथवा समुद्र पर की गई किसी बिक्री के आधार पर किसी देश से उसकी कोई खरीद की है।

(ख) टीएमबीए पर सीमाशुल्क 65% तथा मूल्य से घटाकर 50% तथा मूल्य कर दिए जाने से आयातित टीएमबीए की मान उनसे समान की कीमत में गिरावट आ गई है और इसलिए, पाटनरोधी शुल्क की डम्पिंग मार्जिन तक बढ़ा दिया जाए।

(ग) चीन जनवादी गणराज्य में निर्यात होने वाले टीएमबीए की निर्यात कीमत वर्ष 1994-95 में और भी घटकर 15.28 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. रह गई जिसके फलस्वरूप उसका आयात जो वर्ष 1993-94 में 156 एमटी हुआ था काफी अधिक बढ़कर वर्ष 1994-95 में 327 एमटी हो गया।

(घ) चीन जनवादी गणराज्य की एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था होने के नाते दूसरे देशों द्वारा भारत का चीन के प्रतिनिधि देश के रूप में प्रयोग किया गया क्योंकि भारत का आर्थिक विकास भी उसी स्तर का है जो चीन का है।

(ङ.) कुछ आयातकों के बीजकों तथा प्रविष्टि बिज के अनुसार, चीन जनवादी गणराज्य से आयातित टीएमबीए 99% शुद्ध होता है।

(च) यह तर्क कि चीन इस कारण से इस मामले में सामने नहीं आ रहा है कि वे निर्यात बाजार में टीएमबीए के भारतीय विनिर्माताओं से प्रतिस्पर्धा समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगवाना चाहते हैं, संगत नहीं है क्योंकि चीन टीएमबीए का निर्यात बन्द कर सकता है। उसके विपरीत, चीन के निर्यातक इसलिए सामने नहीं आ रहे हैं क्योंकि नथ्य यह है कि डम्पिंग उन्होंने की है।

(छ) आवेदक एकाधिकार का लाभ नहीं उठा रहा है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लग जाने से चीन, जापान जैन अन्तर्राष्ट्रीय सप्लायरों और स्वयं भारत के ही अने घरेलू विनिर्माताओं में प्रतिस्पर्धा समाप्त नहीं हो सकी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. प्राधिकारी ने प्रतिवादियों तथा घरेलू उत्पादकों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की है और यह पाया है कि:—

(क) आयातक अपने इस आरोप के समर्थन में कोई भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके कि याचिकाकर्ता भी एक आयातक रहा था, जबकि इसके लिए उन्हें पर्याप्त अवसर दिया गया था। दूसरी ओर, याचिकाकर्ता ने टीएमबीए का कोई भी आयात करने संबंधी आरोप से स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया है। तदनुसार, उपर्युक्त पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, याचिकाकर्ता का घरेलू उद्योग होने से इंकार नहीं नहीं किया जा सकता है।

(ख) सीमाशुल्क टैरिफ (दूसरा संशोधन) अधिनियम, 1982 (धारा 9-क (1) के उपबंध के तहत व्याख्या) के अनुसार, सामान्य मूल्य में अन्य बातों के अलावा यह व्यवस्था है कि जहां निर्यातक देश में किसी वस्तु के बारे में खपत के लिए आशयित सामान्य व्यापार के दौरान तुलनात्मक कीमत तय नहीं की जा सकती हो, वहां तुलनीय कीमत इस प्रकार होगी: (क) सामान्यतया किसी सीमा देश को हुए निर्यात की उच्चतम तुलनीय कीमत अथवा

(ख) उद्भव के देश में वस्तु की उत्पादन-लागत और बिक्री तथा अन्य लागत के लिए और लाभ के लिए योजित वृद्धि। इस प्रकार, किसी तीसरे देश के लिए आशयित अधिकतम निर्यात कीमत का सामान्य मूल्य के रूप में निर्धारण तब ही किया जाए यदि उसका सामान्यतया व्यापार होता हो। जांच के दौरान पर्याप्त अवसर दिये जाने के बावजूद किसी भी आयातक ने सामान्य व्यापार में तीसरे देश के लिए उच्चतम निर्यात कीमत का साक्ष्य नहीं दिया है। ऐसी परिस्थिति में सामान्य मूल्य का मानदण्ड उत्पादन लागत और सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी पर आधारित होना चाहिए।

(ग) डम्पिंग साबित करने के लिए निर्यातक के सामान्य मूल्य को ध्यान में रखा जाता है और उसकी तुलना भारत को होने वाले निर्यात की निर्यात-कीमत से की जाती है इसलिए, पीआरसी में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु तीसरे देश की मौजूदा निर्यात कीमत संगत नहीं है।

(घ) चीन जनवादी गणराज्य में गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था होने के नाते उपर्युक्त नियमावली के अनुसार एक प्रतिनिधि देश के सामान्य मूल्य पर विचार जाता है। चीन के लिए भारत प्रतिनिधि देश के रूप में समझा जाता है क्योंकि इन दोनों देशों की आर्थिक दशाएं/विकास एक ही स्तर के हैं।

(ङ.) सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार दिनांक 31-1-1995 की अधिसूचना के पैरा 10 में स्पष्ट किया गया था और उसे इस अधिसूचना के पैरा 13 में और आगे विस्तार से बताया गया है।

(च) उपर्युक्त नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी ने यह जानने के लिए पूरी तथा सापेक्ष शर्तों पर आयात के प्रभाव अर्थात् चीन से किए गए आयात के बाजार अंश को ध्यान में रखा कि घरेलू उद्योग को कितनी क्षति हुई जैसा कि दिनांक 31-1-1995 की अधिसूचना के पैरा 14 में बताया गया है।

(छ) यह स्पष्ट किया गया है कि डीईईसी मान पर दिये गये अन्तिम पाटनरोधी शुल्क को शुल्क-वापसी नियमावली के अनुसार शुल्क वापसी के रूप में पार्टी को लौटाना होगा।

(ज) यह आरोप कि चीन के निर्यातकों ने टीएमबीए के अपने बाजार हिस्से में ह्रास करने के उद्देश्य से जान-बूझकर उत्तर नहीं दिया था वे मुद्दाई में उपस्थित नहीं हुए, तर्कसंगत नहीं है क्योंकि वे अन्यथा भारत को निर्यात भी बंद कर सकते थे।

(झ) जैसाकि दिनांक 31-1-1995 की अधिसूचना के पैरा-6 में बताया गया है, एक जांच-दल ने जांच की और डम्पिंग

का घातक पारणाम समाप्त करने के लिए अपेक्षित पाटन-रोधी शुल्क की सीमा निर्धारित करते समय या विक्रयकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए कारकों पर, जहां तक उनका संबंध जांच अवधि से है और जो उपरोक्त पैरा 7 (ज) में बताए गए हैं, उन पर विचार कर लिया गया है।

(ट) पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य किसी निर्यातक द्वारा प्रयुक्त अनुचित तरीके समाप्त करना है और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि चीन ही टीएमबीए का एकमात्र स्रोत नहीं है, यह बात तर्कसंगत नहीं है कि इससे अन्तिम उत्पाद की लागत में वृद्धि होगी। अनुचित तरीके समाप्त करने से बल्कि, टीएमबीए की उपलब्धता में वृद्धि भी हो सकती है क्योंकि अन्य उत्पादक ऐसे भी होंगे जो टीएमबीए के उत्पादन हेतु कीमत पहलू पर आयात को प्राथमिकता देते हैं और चीन जनवादी गणराज्य ही टीएमबीए का एकमात्र स्रोत नहीं है।

10. दिनांक 31-1-1995 की अधिसूचना के पैरा 7, 8 तथा 9 में विहित वास्तविक स्थिति में कोई संशोधन नहीं हुआ है।

सामान्य मूल्य

2. प्राधिकारी ने जांच के दौरान मांगी गई जानकारी तथा अपने-अपने विचार उपलब्ध कराने हेतु निर्यातकों को पत्राचार द्वारा सीधे तथा उनके दूतावास के जरिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया था। किन्तु, किसी भी निर्यातक ने न तो जानकारी प्रस्तुत की और न ही प्राधिकारी द्वारा दिनांक 31-10-1994 तथा 23-5-1995 को की गई दो सार्वजनिक सुनवाईयों में अपने विचार व्यक्त करने के अवसर का लाभ उठाया। इसलिए, प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के उपबंध 14 के तहत यह निर्णय लिया कि भारत में टीएमबीए की उत्पादन लागत के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाए जैसा कि दिनांक 31-1-1995 को अधिसूचित अन्तिम निष्कर्षों के पैरा-10 में अंगीकार किया गया है।

12. सामान्य मूल्य के प्रयोजन के लिए टीएमबीए की उत्पादन लागत इस प्रकार निर्धारित की गई है—कच्चे माल के लिए निम्नलिखित में से सर्वोत्तम मात्रात्मक खपत मानदण्ड अपनाए गए हैं—(1) सरकार द्वारा शुल्क छूट योजना के अन्तर्गत निर्दिष्ट निर्दिष्ट-उत्पादन मानदण्ड, (2) याचिकाकर्ता के मानदण्ड, (3) याचिकाकर्ता के वास्तविक तथ्य संबंधी मानदण्ड, और (4) उनके सहयोगी द्वारा अपनाए गए मानदण्ड। कच्चे माल की लागत का हिसाब लगाते समय कच्चे माल की अन्तर्राष्ट्रीय-दर को ध्यान में रखा गया है। कच्चे माल से इतर लागतों का निर्धारण याचिकाकर्ता कंपनी के लागत आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए और उसे अधिकतम क्षमता पर संमजित करके किया गया है। एक ऐसे आयातक ने अपनी उत्पादन लागत प्रस्तुत की है जो अन्य तरीके से भारत में टीएमबीए का उत्पादक

है, उक्त कीमत अधिक बैठती है। इसलिए उसे सामान्य मूल्य निर्धारण के प्रयोजन के लिए हिसाब में नहीं लिया गया है।

निर्यात कीमत

13. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित टीएमबीए की निर्यात कीमत वर्ष 1994-95 में और घटकर 15.28 अमरीकी डालर प्रति किग्रा. रह गई। किन्तु, याचिकाकर्ता के दावे को इस आधार पर स्वीकार नहीं किया गया है कि जांच अवधि की निर्यात कीमत और अन्य कारकों पर विचार करना होता है।

14. संगत आंकड़े प्रस्तुत उपलब्ध कराने संबंधी प्राधिकारी के अनुरोध का किसी भी निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया और किसी भी आयातक ने जांच अवधि के निर्यात कीमत संबंधी अन्तिम निष्कर्ष आने के बाद और आगे आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए। इसलिए, प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण में वही पद्धति अपनाई जो दिनांक 31-1-1995 को अधिसूचित अन्तिम निष्कर्षों के पैरा 12 में उल्लिखित है।

तुलना

15. अन्तिम निष्कर्षों में अपनाए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना हेतु अपनाई गई पद्धति की पुष्टि की जाती है।

अन्तिम निष्कर्ष

16. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य सभी पार्टियों के हित पर विचार करते हुए और दिनांक 31-1-1995 को अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों में क्षति तथा उसके कारणात्मक संबंध के बारे में जो विभिन्न कारक दर्शाए गए हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि (1) चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों ने भारत में टीएमबीए की बिक्री उसके सामान्य मूल्य के कम मूल्य पर की, (2) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई, और (3) डम्प किए गए आयात से भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

17. प्राधिकारी निर्यात कीमत, सामान्य कीमत तथा डम्पिंग मार्जिन की पुष्टि करता है जैसा कि प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 28(ग) में निर्धारित किया गया है और उसे निम्नानुसार उद्धरित करता है—

	अमरीकी डालर प्रति किग्रा.	रु. प्रति किग्रा.
सामान्य मूल्य	25.03	788.42
निर्यात कीमत	15.56	490.09
डम्पिंग मार्जिन	9.47	298.33
डीआईएफ के प्रतिशत के रूप में		
डम्पिंग-मार्जिन	39.5%	

18. प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त रहेगा। इस प्रयोजन के लिए, जैसा कि प्रारंभिक निष्कर्ष में बताया गया है, चीन के आयात की पतन पर पहुंचते समय की औसत कीमत की तुलना टीएमबीए की यथोचित विक्री कीमत से की गई थी और इसका उत्तर चूंकि कम रहा, इसलिए प्राधिकारी यह पुष्टि करता है कि सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय-29 के अन्तर्गत आने वाले टीएमबीए के आयात पर जोकि चीन जनवादी गणराज्य मूल का था, 237/- रु. (दो सौ सैंतीस रुपए मात्र) प्रति किग्रा. की दर से पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

19. प्राधिकारी उपरोक्त को देखते हुए चीन जनवादी गणराज्य (पीआरसी) मूल के टीएमबीए के डम्प किए गए आयात के कारण भारत गणराज्य के घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के मामले में दिनांक 31-1-1995 को अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करता है।

डा. वाई.बी. रेड्डी, नामित प्राधिकारी एवं
अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th July, 1995

Subject :—Anti-dumping investigation concerning imports of 3, 4, 5 Trimethoxy Benzaldehyde originating from the People's Republic of China—Final findings.

No. 9/10/94-TPD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1982 and the Customs Tariff Rules, (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional duty on dumped articles and for determination of injury) 1985, thereof.

PROVISIONAL MEASURES

2. The Designated Authority as defined under the Rules (hereinafter referred to as Authority) notified preliminary findings in the anti-dumping investigation concerning imports of 3, 4, 5 Trimethoxy Benzaldehyde (hereinafter referred to as TMBA) originating from China vide notification No. 9/10/94-TMBA dated the 31st January, 1995.

PROCEDURE

3. The Authority addressed a letter to all the companies subject to investigation requesting them to furnish their views on the preliminary findings and to apply to be heard orally and willingness for on site verification of data furnished. A note verbal was also sent to the Embassy of the concerned exporting country in New Delhi forwarding a copy of the preliminary findings with the request that the exporters and the other interested parties may be advised to furnish views on the preliminary findings to the Authority and willingness for verification of data.

4. The Designated Authority has received views on the preliminary findings from the respondents as well as petitioners. Except the importers in India, no exporter from the People's Republic of India has furnished views on the preliminary findings.

5. An opportunity was also given to exporters, importers and petitioner to express their views on the preliminary findings in a public hearing held on 23rd May, 1995. A note verbal was also sent to Delhi office of the Embassy of the People's Republic of China requesting them to intimate the exporters concerned to participate in the public hearing. The public hearing held on 23rd May, 1995 was, however, attended by the representatives of the petitioner domestic industry and the following importers :

1. M/S. Shabha Chemicals Ltd., Ratlam
2. Zora Pharma Ltd., Ahmedabad
3. Bombay Drugs and Pharmas Ltd., Bombay
4. The Pharmaceuticals Products of India Ltd.
5. Cosmic Drugs & Chemicals Pvt. Ltd., Baroda
6. German Remedies, Bombay
7. Burroughs Wellcome (India) Ltd., Bombay
8. Apurva Organics Ltd., Calcutta.

6. Oral submissions made in the public hearing by the petitioner and importers were obtained in writing and were made available to other parties. Comments on these submissions were received from the importers and petitioner.

RESPONDENTS' VIEWS

7. Importers/users in their written submission in response to preliminary findings and consequent to the public hearing held on 23rd May 1995 raised mainly the following points in addition to the points which were submitted earlier and dealt in the preliminary findings notified on 31-1-95.

- (a) The petitioner had imported the product and, therefore, does not qualify the Domestic Industry status;
- (b) The fact that China is exporting TMBA at same price to many countries including India shows that there is no dumping.
- (c) For calculating normal value, current export price of TMBA from Japan or international price may be considered.
- (d) India need not be considered as surrogate country for working out normal value;
- (e) Detailed basis for arriving at the normal value of the product has not been recorded in the preliminary findings;
- (f) Increase in imports of the TMBA is to be viewed with reference to increase in export of resultant product Trimethoprim (TMP).
- (g) Imposing Anti Dumping Duty on import of TMBA for export production of TMP on Advance Licence basis would be detrimental to exports of TMP from India.

- (h) Since China is a manufacturer and exporter of TMBA and resultant product TMP, imposition of anti dumping duty would be beneficial to the exporters in the sense that Chinese TMP producers would get TMBA more freely from their own market and would, result in export of TMP to third countries without any competition from Indian producers of TMP, who are losing overseas market due to additional cost by way of tional cost by way of anti dumping duty.
- (i) The petitioner is inefficient and loss to them is mainly due to high financing cost and that the profitability of the petitioner cannot be attributed to production or sale of TMBA as the petitioner is a multi-product company.
- (j) Since TMBA is only the major raw-material and constitutes between 65—75 per cent of raw material cost in manufacture of TMP, imposition of anti dumping duty has direct relevance to the cost of TMP.

PETITIONER'S VIEW

8. The petitioners made following submissions in addition to the issues already submitted/dealt in the preliminary findings :

- (a) They categorically denied having imported TMBA or purchased the same on high sea scale basis from any country.
- (b) Due to fall in custom duty on TMBA from 65 per cent ad valorem to 50 per cent ad valorem, the landed price of imported TMBA has declined and, therefore, anti dumping duty should be increased upto the dumping margin.
- (c) Export price of TMBA the People's Republic of China has further declined in 1994-95 to US \$ 15.28 per kg. resulting in substantial increase of imports from 156 MT in 1993-94 to 327 MT in 1994-95.
- (d) People's Republic of China being a non market economy, India had been used by other countries as a surrogate country for China being at the same level of economic development.
- (e) TMBA imported from People's Republic of China have purity of 99 per cent invoices and bill of entry of some of the importers.
- (f) The argument that Chinese are not putting in an appearance for the reason that they want the anti dumping duty to be imposed to remove competition from the Indian manufacturers of TMP in the export market is far fetched as Chinese could stop the export of TMBA. On the contrary, non appearance of Chinese exporters is due to the fact that there is dumping by them.
- (g) There can be no monopoly status enjoyed by the applicant in as much as the imposition of anti dumping duty will not remove

the competition from international suppliers like China, Japan as also from other domestic manufacturers in India itself.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

9. The Authority has examined the points made by the respondents and the domestic producers and found that :

- (a) The importers could not provide any evidence in support of their allegation that the petitioner was also an importer in spite of providing them adequate opportunity. On the other hand, the petitioner has categorically denied such allegations of having imported any TMBA. Accordingly, the petitioner cannot be denied of the domestic industry status as per Anti Dumping Rules supra.
- (b) Normal Value as per the Customs Tariff (Second Amendment) Act 1982 [Explanation under the provision to Section 9A(1)] inter alia provides that where comparative price in the ordinary course of trade of article when meant for consumption in exporting country cannot be ascertained, such comparable price shall be (A) the highest comparable price to any third country in the ordinary course or (B) the cost of production of the article in the country of origin alongwith reasonable addition for selling and any other cost, and for profits. Thus, the recourse of considering the highest export price to third country as normal value may be considered if it in the ordinary course of trade. During the course of investigation, in spite of adequate opportunity provided, none of importers have provided evidence of highest export price to third country in the ordinary course of trade. Under the circumstances, the normal value has to be based on the criteria of cost of production and the best available information.
- (c) For establishing dumping, the normal value of exporter is to be considered and compared with the export price of the exports to India, and therefore, the current export price of third country is not relevant for determining normal value in the PRC.
- (d) The People's Republic of China being non market economy, the normal value as per rules supra is to be considered for a surrogate country. India is considered as surrogate country to China being at the same level of economic conditions/development.
- (e) Basis for arriving at the normal value were explained in para G(10) of the notification dated 31-1-1995 and further elaborated in para 13 of this Notification.
- (f) As per rules supra, the Authority took into consideration the impact of imports on absolute and relative terms i.e. market share of imports from China to know the injury to the domestic industry as brought at para K(14) of Notification dated 31-1-95.

- (c) It has been clarified that final Anti Dumping Duty paid on DEEC material is liable to be refunded as drawback, in accordance with drawback rules.
- (h) The allegation that Chinese exporters have purposely not responded or attended the hearings to gain their market share of TMP is not tenable as they could otherwise stop export to India.
- (i) As brought out in para 5 of Notification dated 31-1-95, an investigation team carried out an investigation and while working out the extent of anti dumping duty required to eliminate the injurious impact of dumping, the factors brought out by the petitioner as far as it relates to investigation period and indicated at para 7(h) above have been considered.
- (j) The purpose of anti dumping duty is to remove unfair practices by an exporter and keeping in view that China is not the only source of TMBA the argument that this will increase the cost of final product substantially is not tenable. The removal of unfair practice may rather increase the availability of TMBA the other producers who are preferring to import on the price consideration to produce TMBA and that PR of China is not the only source for TMBA.

10. There is no change in the factual position indicated in paragraphs 7, 8 & 9 of Notification dated 31-1-95.

NORMAL VALUE

11. The Authority provided during the course of investigation, ample opportunity to exporters directly through correspondence and through Embassy to provide the required information and represent their views. However, none of the exporters furnished the information nor availed the opportunity to express their views in the two public hearings called by the Authority on 31-10-94 and 23-5-95. The Authority, therefore, under provisions 14 of the Rules supra, decided to determine the normal value on the same basis of best available information in India about the cost of production of TMBA as adopted in para 10 of the provisional findings notified on 31-1-95.

12. Cost of production of TMBA for the purpose of normal value has been arrived at as follows : For raw material, the best of the quantitative consumption norms out of (i) input-output norms specified by the Government under Duty Exemption Scheme, (ii) norms of the petitioner (iii) Actuals of the petitioner and (iv) norms as per their collaborator has been used. The international rate for raw material have been considered while working out raw material cost. The costs other than raw material have been arrived at by taking into account the cost data of the petitioner company and adjusting the same for maximum capacity. One of the importer, who is also producer of TMBA in India from pacacresal route, has submitted their cost of production which being higher has not been

considered for the purpose of normal value determination.

EXPORT PRICE

13. The petitioner claimed that export price of TMBA from the Peoples Republic of China has further decreased in 1994-95 to US \$ 15.28 per kg. However, the claim of petitioner is not accepted on the grounds that export price and other factors during the investigation period are to be considered.

14. None of the exporters responded to the Authority's request to make available the relevant data and no importer submitted further data after provisional findings on export price during investigation period. The Authority, therefore, adopted the same methodology in arriving at the export price as indicated in para 12 of the provisional findings notified on 31-1-1995.

COMPARISON

15. The methodology adopted for comparison of Normal Value and export price as adopted in the provisional findings are confirmed.

FINAL FINDINGS

16. The Authority after considering the interest of Domestic industry and all other parties and taking into account the various factors relating to injury and its causal link as indicated in the preliminary findings notified on 31-1-1995 has come to the conclusion that (i) exporters from People's Republic of China have sold TMBA in India below normal value (ii) The Indian industry has suffered material injury and (iii) that the dumped imports caused the material injury suffered by Indian industry.

17. The Authority confirms the value of the export price, normal value and margin of dumping determined in para 28(c) the preliminary findings and reproduces the same as follows :—

	USD per kg.	Rs. per
Normal Value	25.03	788.42
Export Price	15.56	490.09
Margin of Dumping	9.47	298.33
Margin on dumping as percentage of cif	39.5	per cent

18. The Authority considered whether duty lower than dumping margin would be enough to remove the injury. For this purpose, as brought out in preliminary findings, the average landed price of Chinese import was compared with the reasonable selling price of TMBA and this difference being lower, Authority confirms that Anti Dumping Duty of Rs. 237/- (Rs. two hundred and thirty seven only) per kg. be imposed on imports of TMBA originating from People's Republic of China falling under Chapter 29 of the Customs Tariff.

19. The Authority confirms subject to above the preliminary findings notified on 31-1-95 in the case of material injury caused by dumped imports of TMBA originating from People Republic of China (PRC) to the domestic industry in Republic of India.

DR. Y. V. REDDY, Designated Authority
Addl. Secy.

